

शाखालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी :- श्रीमती शकुन्तला चौधरी आर.ए.एस.

क्रमांक - 181/2021

सूचना :-

1. राधाकृष्ण पुत्र श्री महिपतराम जाति जाट निवासी घेऊ त0 भादरा।
2. जयमल पुत्र श्री महिपतराम जाति जाट निवासी घेऊ त0 भादरा।
3. सावित्री पत्नी मुन्शीराम जाति जाट निवासी घेऊ त0 भादरा।
4. माया पुत्री मुन्शीराम पत्नी औंकारमल जाति जाट नि0 ललानाबास दिखणादा त0 नोहर

:- वादी

बनाम

1. चन्द्रकला पत्नी मोहनलाल जाति जाट निवासी घेऊ त0 भादरा।
2. जयपाल पुत्र मोहनलाल जाति जाट निवासी घेऊ त0 भादरा।
3. सुभाष पुत्र मोहनलाल जाति जाट निवासी घेऊ त0 भादरा।
4. सरस्वती पत्नी विनित पुत्री मोहनलाल जाति जाट निवासी घेऊ हाल निवासी बैर त0 भादरा।
5. सुन्दरकुमारी पत्नी मुकेशकुमार सहारण पुत्री मोहनलाल जाति जाट निवासी घेऊ हाल निवासी मलसीसर त0 भादरा।
6. बैंक ऑफ बडौदा शाखा भादरा जरिये शाखा प्रबंधक भादरा।
7. एसबीआई शाखा भादरा जरिये शाखा प्रबंधक भादरा।
8. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- प्रतिवादीगण

दावा बाबत : जोत विभाजन व खाता तकसीम

अन्तर्गत धारा 53-188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

उपस्थिति : वकील श्री विरेन्द्र जाखड़ : वादी

वकील श्री तरूण मिश्रा : प्रतिवादीगण।

निर्णय

दिनांक: 22-06-2022

संक्षेप में दावा के तथ्य इस प्रकार हैं कि रोही मौजा घेऊ के खाता सं0 308/256 के खसरा सं0 156/1 की 7.062 है0, खसरा सं0 382/1 की 4.964 है0, खसरा सं0 752/1 की 1.49 है0 कुल खसरा 3 की 13.575 है0 बरानी खातेदारी कृषि भूमि में वादी राधाकृष्ण व जयमल संयुक्त रूप से 1/2 हिस्सा, वादी सावित्री व माया संयुक्त रूप से 1/4 हिस्सा, प्रतिवादी सं0 1 ता 5 के पति व पिता स्व0 मोहनलाल के नाम से 1/4 हिस्सा खातेदारी राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

विवादित कृषि भूमि का पक्षकारान के मध्य वाहमी बंटवारा मीट्स एण्ड बाऊण्ड से अर्सा 10 वर्ष पहले हो चुका है। पक्षकारान अपने वाहमी बंटवारा के मुताबिक अपने हिस्से की भूमि काश्त करते आ रहे हैं। महज कागजात माल में खाता मुश्तर्का दर्ज है चूंकि पक्षकारान का खाता काफी बड़ा है तथा पक्षकारान के मध्य काश्त व लगान की बाबत तनाव होता रहता है,

प्रतिवादी व प्रतिवादीगण मुताबिक वाहमी बंटवारा अपने हिस्से का खाता व लगान अलग करवा पाने का कानूनी मजाज है।
 वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने उपस्थित होकर अपने अधिवक्ता की मार्फत दावा को प्रस्तुत करते हुए अपना जवाब दावा पेश किया जो शामिल पत्रावली किया गया। प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 बावजूद तामिल उपस्थित नहीं आए। इसलिए उनके खिलाफ एक पक्षीय प्रस्ताव ही अमल में लाई गई। प्रतिवादी सं० 8 को वकील वादी ने तर्क अंकित किया। वकील वादी एवं प्रतिवादीगण ने विभाजन प्रस्ताव पर अनापति जाहिर की।

बहस वकील वादीगण सुनी गई। दौराने बहस वकील वादीगण ने अपने दावा के सिद्धों को दौहराते हुए कथन किया कि पक्षकारान मुताबिक वाहमी बंटवारा के उनको दी गई प्रस्ताव पर काश्त करते आ रहे हैं। उसी अनुसार खाता लगान अलग अलग कायम किये जाने हेतु निवेदन किया।

विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादी ने राजस्व रिकार्ड में अपने नाम दर्ज भूमि का अन्य सहखातेदारान से खाता व लगान अलग कायम करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने अपने दावा के समर्थन में जो प्रत्यप्रतिलिपि जमाबन्दी रोही मौजा घेरु के खाता सं० 308/256 के खसरा सं० 156/1 की 7.062 है० खसरा सं० 382/1 की 4.964 है०, खसरा सं० 752/1 की 1.549 है० कुल खसरा 3 की 13.575 है० बारानी खातेदारी कृषि भूमि में वादी राधाकृष्ण व जयमल संयुक्त रूप से 1/2 हिस्सा, वादी सावित्री व माया संयुक्त रूप से 1/4 हिस्सा, प्रतिवादी सं० 1 ता 5 के पति व पिता स्व० मोहनलाल के नाम से 1/4 हिस्सा खातेदारी राजस्व रिकार्ड में दर्ज इस प्रकार वाद वादी साबित है।

अतः वाद वादी डिक्री किया जाता है कि रोही मौजा घेरु के खाता सं० 308/256 के खसरा सं० 156/1 की 7.062 है० खसरा सं० 382/1 की 4.964 है०, खसरा सं० 752/1 की 1.549 है० कुल खसरा 3 की 13.575 है० बारानी खातेदारी कृषि भूमि में वादी राधाकृष्ण व जयमल संयुक्त रूप से 1/2 हिस्सा, वादी सावित्री व माया संयुक्त रूप से 1/4 हिस्सा, प्रतिवादी सं० 1 ता 5 के पति व पिता स्व० मोहनलाल के नाम से 1/4 हिस्सा खातेदारी राजस्व रिकार्ड में दर्ज भूमि का अच्छी मन्दी के हिसाब से खाता विभाजन का प्रस्ताव तैयार किया जाकर तहसीलदार भादरा द्वारा मुताबिक अपनी रिपोर्ट व मय रगंदार नक्शा दिनांक 02.05.2022 को विभाजन प्रस्ताव पेश हुआ पक्षकारान को सुना गया। अतः तहसीलदार भादरा के द्वारा प्रस्तुत विभाजन प्रस्ताव के आधार पर पक्षकारान का विभाजन एवं खाता व लगान निम्न प्रकार से विभाजित किया जाता है:-

1 हिस्सा राधाकृष्ण पुत्र महिपतराम जाति जाट सा० देह खातेदार:-

खसरा सं० 382/4 का 1.241 है०, खसरा सं० 752/2 का 0.387 है०, खसरा सं० 156/2 का 0.380 है०, खसरा सं० 156/6 की 1.385 है० कुल किता 4 की 3.393 है० बारानी 1।

2 हिस्सा चन्द्रकला पत्नी मोहनलाल, सुन्दर, सरस्वती पुत्रिया मोहनलाल, जयपाल, सुभाषचन्द्र पि. मोहनलाल जाति जाट सा देह खातेदार :-

खसरा सं० 382/1 की 1.241 है०, खसरा सं० 752/1 की 0.387 है०, खसरा सं० 156/1 की 0.380 है०, खसरा सं० 156/7 की 1.385 है० कुल किता 4 की 3.393 है० बारानी 1।

राधाकृष्ण आदि बनाम चन्द्रकला आदि

3. हिस्सा जयमल पुत्र महिपतराम जाति जाट सा० देह खातेदार :-

खसरा सं० 382/3 की 1.241 है०, खसरा सं० 752/4 की 0.387 है०, खसरा सं० 156/4 की 1.765 है० कुल कित्ता 3 की 3.393 है० वारानी 1।

4. हिस्सा सावित्री पत्नी मुन्शीराम, माया पुत्री मुन्शीराम बहिस्सा बराबर जाति जाट सा० देह खातेदार :-

खसरा सं० 382/2 की 1.241 है०, खसरा सं० 752/3 की 0.387 है०, खसरा सं० 156/3 की 0.380 है०, खसरा सं० 156/5 की 1.385 है० कुल कित्ता 4 की 3.393 है० वारानी 1।

किसी भी खातेदार का हिस्सा किसी बैंक के रहन है तो विभाजन के बाद रहन यथावत खा जावे। इसी इनुसार पर्चा डिक्री संलग्न कर जारी की जावे।

निर्णय आज दिनांक ~~22.06.2022~~ को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रैक) भादरा
R.A.S.

सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़